चेन्नई के तट पर तेल-रसिाव के दुष्परणिामों से नपिटने हेतु सफाई अभयिान प्रारंभ

सन्दर्भ

चेन्नई से 20 कमीि० की दूरी पर एन्नोर बंदरगाह के नकिट तेल के टैंकर और एलपीजी वाहक की टक्कर के फलस्वरूप हुआ तेल का रसिाव समुद्र तट और इसके जीव-जंतुओं को नष्ट कर चुका है |इस तेल में कई कछुए और अनेक मृत मछलयिाँ भी पाए गये थे |

प्रमुख बदिु

- यह दुर्घटना 29 जनवरी को प्रातः 4 बजे को घटति हुई जब बीडब्ल्यू मेपल (BW Maple) एलपीजी को खाली करके के बाद बंदरगाह से जा रहा था और एमटी डाउन, कांचीपुरम (जसिमें पेट्रोलयिम आयल लुब्रकिेंट भरा था) कामराजर बंदरगाह (इसे पहले एन्नोर बंदरगाह के नाम से जाना जाता था) की ओर जाने वाले मार्ग पर था |
- हालाँकि, सोमवार को बीडब्ल्यू एलपीजी (BW LPG) के कार्यकर्ताओं ने यह स्पष्ट कयिा कि ओस्लो (Oslo) से एक गैस का टैंकर (जसिकी सूचीबद्ध शपिगि कंपनी बीडब्ल्यूएलपीजी थी) चेन्नई के तट पर एक भारतीय जहाज से टकरा गया था|
- 82,000 घन मीटर एलपीजी की क्षमता युक्त बीडब्ल्यू मेपल दूसरे जहाज से टकराते समय आधा भरा हुआ था |
- संभवतः इस जहाज से तेल का कोई रसिाव नहीं हुआ है, ऐसा प्रतीत होता है कि तेल का रसिाव दूसरे जहाज से हुआ है |

तेल रसिाव क्या है ?

- तेल रसिाव एक प्रकार का प्रदूषण है जसिमें मानवीय गतविधियिों के कारण तरल पेट्रोलयिम हाईड्रोकार्बन पर्यावरण में मुक्त हो जाता है |
- इस शब्द का प्रयोग अक्सर समुद्री तेल रसिाव के लिए कयिा जाता है जहाँ तेल समुद्र में अथवा तटीय जल में मुक्त हो जाता है।
- तेल रसिाव में कच्चे तेल, परषि्कृत पेट्रोलयिम उत्पादों, उनके उप-उत्पादों का रसिाव और बड़े में प्रयुक्त होने वाले भारी ईंधन जैसे बंकर ईंधन का रसिाव या कसिी तैलीय अवशषि्ट का या अपशषि्ट तेल का रसिाव शामलि है |
- इनका रसिाव टैंकर से, अपतटीय प्लेटफार्म से, खुदाई उपकरणों से तथा कुओं से रसिाव इत्यादि से भी हो सकता है |
- प्राकृतकि तेल रसिाव से भी तेल समुद्री पर्यावरण में प्रवेश करता है। यह तेल जलीय जीवों को प्रभावति करने के साथ ही, इससे सम्बंधति पक्षयिों के पंखों की संरचना में प्रवेश कर, उनकी उत्प्लावकता और भोजन की तलाश में तथा शकिारयिों से बचने के लिए उनकी उड़ान क्षमताओं को भी कम करता है। जब पक्षी चोंच से अपने परों को खुजाते हैं तो परों पर लगा हुआ तेल नगिल जाते हैं, जसिके कारण उनके अंगों में नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है तथा पाचन तंत्र में जलन होती है।

तेल रसिाव की सफाई

रसिाव को साफ करने में महीनों या सालों लग सकते हैं। तेल रसिाव की सफाई और बहाली कठनि है तथा यह तेल के प्रकार, पानी के तापमान तथा तटरेखाओं और समुद्रतटों के प्रकार इत्यादि कारकों पर नरि्भर करता है । प्रयुक्त उपकरणों में शामलि हैं : 'बूम' ये तैरते हुए बड़े अवरोध हैं जो तेल को एकत्र कर उसे जल से ऊपर उठाते हैं;

- 'स्कमिर्स' तेल की सतह से फेन हटाते हैं ;
- 'सॉर्बेंट्स ' बड़े अवशोषक हैं जो तेल का अवशोषण करते हैं।
- 'रासायनकि और जैवकि एजेंट' जो तेल के अपघटन में सहायता करते हैं;
- 'नरि्वात' समुद्र तटों और पानी की सतह से तेल हटाता है;
- 'फावड़ा और अन्य सड़क उपकरण' आम तौर पर समुद्र तट पर तेल साफ करने के लिए इस्तेमाल कयिा जाता है |

अब तक की स्थति और इस सन्दर्भ में कएि गए प्रयास

- चेन्नई के तट पर टैंकर के टकराव के कारण चेन्नई की तटरेखा से प्रसदि्ध मरीना बीच तक फैले तेल के रसिाव की सफाई करने हेतु सफाई कार्य की शुरुआत हो चुकी है |
- इस स्थान पर तट रक्षक द्वारा तेल रसिाव की सफाई अभयिान को समन्वति करने के लिए अपने जहाज और वमिान समुद्र और तट पर तैनात कर दएि गए हैं ।
- एन्नोर बीच से एलयिट बीच के दायरे में रसिाव के प्रभाव के आकलन हेतु इसे चार जोन में बांट दयिा गया है, और इसके लिए अलग-अलग टीमें गठति की

गई हैं ।

- वहीं तटरक्षक कर्मी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य गैरसरकारी संगठनों के लोगों की मदद से सफाई अभियान का समन्वयन कर रहे हैं ।
- अधिकारियों ने कहा कि इस सफाई में कुछ दिनों का समय लगेगा |
- इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है |
- इस घटना में अब तक किसी व्यक्ति के हताहत होने की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है |

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chennai-on-the-banks-to-deal-with-the-fallout-of-the-oil-spill-clean-up-operation-starts